BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

देखभालकर्ता से प्रवर्तक तक

जनऔषधि के माध्यम से महिला उद्यमिता को मिला उद्देश्य

07 मार्च, 2026

यह कहानी नीता की है जिसका परिवार की स्वास्थ्य देखभाल के प्रति समर्पण **अपने पड़ोस की सेवा करने के लिए** एक **बड़े मिशन के रूप में विकसित हुआ है।**

नीता नई दिल्ली के सेक्टर 20 में एक जनऔषधि केंद्र का संचालन करती हैं। यह केंद्र दो वर्षों से काम कर रहा है। एक गृहिणी से एक आत्मविश्वासी और भरोसेमंद जनऔषधि मित्र तक की नीता की यात्रा एक उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाती है।

जब कुछ साल पहले नीता की सास बीमार पड़ गई थी, तो डॉक्टर की लिखी दवाई की कीमत उसके भावनात्मक और वित्तीय तनाव को बढ़ाती थी। नीता का कहना है कि उन्हें वित्तीय तनाव से तब राहत मिली जब उन्हें पता चला कि वही

उच्च गुणवत्ता वाली ब्रांडेड दवाएं जनऔषधि केंद्र में **50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक कम कीमतों** पर उपलब्ध थीं। नीता ने अपने पड़ोस में एक जनऔषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया ताकि आवश्यकता के समय दूसरों को भी लाभ मिल सके।

नीता पिछले दो वर्षों में, इस जनऔषधि केंद्र के कारण, **अपने क्षेत्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य मित्र बन गई है**। एक योग्य फार्मासिस्ट, केंद्र के सुचारू और पेशेवर रूप से संचालन में नीता की सहायता करता है। अपनी इस यात्रा का वर्णन करते हुए, नीता कहती हैं, *"मैं हर दिन, 30 से 40 लोगों को बीमारी के तनाव और दवाओं की ऊंची कीमतों के डर से भरे चेहरों के साथ केंद्र में आते देखती हूं लेकिन दवाओं पर 50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत की बचत और राहत के साथ परिवारों को जनऔषधि केंद्र से बाहर निकलते देखना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। पिछले दो वर्षों में, मैंने महसूस किया है कि जनऔषधि केंद्र केवल दवाएं ही नहीं बल्कि जरूरत के समय लोगों को समर्थन, आशा और गरिमा प्रदान कर रहा है।*

नीता की सफलता से पता चलता है कि **प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना** (पीएमबीजेपी) का उद्यमिता मॉडल न केवल आजीविका प्रदान कर रहा है, बल्कि **जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा वितरण को भी मजबूत** बना रहा है। अपने परिवार में एक देखभाल करने वाले से लेकर पड़ोस में किफायती स्वास्थ्य सेवा का स्तंभ बनने तक, नीता की यात्रा दर्शाती है कि पहुंच, जागरूकता और अवसर बड़े परिवर्तन ला सकती हैं। देश भर में 18,000 से अधिक जनऔषधि केंद्रों में से **लगभग 8,000 से अधिक का प्रबंधन महिलाओं द्वारा किया जाता है**। **प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना** न केवल सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं प्रदान करती है बल्कि महिलाओं को सशक्त भी बनाती है।

संदर्भ

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

पीआईबी शोध

पीके/केसी/जेके